



www.agrabharat.in

नई सोच का अखबार



दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष: 19

अंक: 113

आगरा, रविवार 11 अक्टूबर 2026

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2.00 ₹.

जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन: दीपके, ध्रुव समेत हजारों हिरासत में

नई दिल्ली(ए)। दिल्ली में आज 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर काँकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले राजधानी में बड़े पैमाने पर पुलिस कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। वहीं, प्रसिद्ध यूट्यूबर ध्रुव राठी को गुरुग्राम से पकड़ा गया है। प्रदर्शन को रोकने और संभावित अव्यवस्था से बचने के लिए दिल्ली को एक अभेद्य किले में बदल दिया गया है, जिसमें हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं और सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

दीपके, रांका को एयरपोर्ट से उठा लाई पुलिस

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर नामक प्रणाली को रोकने की मांग को लेकर बुलाए गए प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, इन तीनों को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहले शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन में शामिल न होने की सलाह दी गई थी। हालाँकि, उनके मना करने के बाद पुलिस को उन्हें हिरासत में लेना पड़ा।

माता-पिता से मिलने आए राठी को गुरुग्राम से उठाया

इससे पूर्व, गुजरात को बेंगलुरु में एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन



में शामिल रहे यूट्यूबर ध्रुव राठी को शुक्रवार सुबह 8 बजे गुरुग्राम के सेक्टर 56 स्थित केंद्रीय विहार इलाके से दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम पुलिस के सहयोग से हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि राठी अपने माता-पिता के पास आए हुए हैं। राठी ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए लोगों से जंतर-मंतर पर पहुंचने और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी। सीजेपी ने इन गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा करते हुए इसे सरकार के आक्रामक रवैये का हिस्सा बताया और

हिरासत में लिए गए सभी लोगों की तत्काल रिहाई की मांग की है। **15 जिलों में छापेमारी कर 600 लोगों को हिरासत में लिया**

राजधानी में इन प्रमुख हस्तियों के अलावा, सीजेपी के 600 से अधिक अन्य समर्थकों को भी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने पिछले दो दिनों में दिल्ली के 15 जिलों में ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में निंदा करते हुए इसे सरकार के आक्रामक रवैये का हिस्सा बताया और

किया गया जिनकी पहचान 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए एक पिछले प्रदर्शन के दौरान फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम के जरिए की गई थी। सैकड़ों ऐसे लोगों को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने कुछ लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया, जबकि कुछ को उनके घरों में ही विनियमन के तहत रखा गया ताकि वे विरोध प्रदर्शन में शामिल न हो सकें और संभावित उपद्रव से बचा जा सके। पुलिस ने हिरासत में लिए गए या एहतियातन बुलाए गए लोगों की काउंसिलिंग भी की। उन्हें समझाया गया कि अवैध प्रदर्शन में शामिल होने से

उनका करियर खराब हो सकता है, उनके खिलाफ मामला दर्ज होने पर उनका पासपोर्ट रद्द हो सकता है। काउंसिलिंग के बाद कुछ लोगों को छोड़ा भी गया।

राजधानी में 38,000 से अधिक सुरक्षा बल तैनात

अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम दिल्ली में प्रदर्शन के आह्वान के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दी गई है। राजधानी में 38,000 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया है। वाहनों की आवाजाही को रोकने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख सड़कों पर कीलें बिछाई गई हैं। शहर के यातायात को बुरी तरह प्रभावित करते हुए 45 मेट्रो स्टेशनों को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही, नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर आने वाली लगभग 250 मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जिससे हजारों यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा है। इंटरनेट सेवाओं पर भी असर पड़ा है। इंडिया गेट के आसपास 4 किलोमीटर के दायरे में शुक्रवार रात 10 बजे से शनिवार रात 10 बजे तक इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। दिल्ली की अंतरराज्यीय और अंतर-जिला सीमाओं पर विशेष सुरक्षा चौकियां बनाई गई हैं, जहां पुलिस गहन जांच के बाद ही लोगों को दिल्ली में प्रवेश करने दे रही है।

दिल्ली में मेट्रो स्टेशन बंद रखने पर याचिका दाखिल, सुप्रीम कोर्ट के आदेश उल्लंघन का आरोप



नई दिल्ली,(ए)। दिल्ली में मेट्रो स्टेशन बंद रखने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। इस मामले में अवमानना याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने आरोप लगाया है कि कोर्ट के निर्देश के बावजूद दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने कई स्टेशनों के गेट बंद रखे। याचिका में इसे कोर्ट के आदेश की जानबूझकर अनदेखी बताया गया है।

यह मामला 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन से जुड़ा है। काँकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस प्रदर्शन का ऐलान किया था। इसे देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने और ट्रेनों के संचालन पर रोक लगाने जैसे कदम उठाए गए। इस मामले में 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने कहा था कि मेट्रो सेवाओं को पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सेवाओं को नियंत्रित तरीके से चलाया जाए, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल न करें। कोर्ट ने माना कि प्रशासन को सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का अधिकार है, लेकिन

परिवहन सेवाएं पूरी तरह रोकने से आम यात्रियों, छात्रों और कामगारों को परेशानी हो सकती है। कोर्ट ने प्रशासन के बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करने को कहा था। प्रशासन ने शुरूआत में 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने की योजना बनाई थी, बाद में इस संख्या को घटाकर 45 कर दिया गया। हालाँकि, याचिकाकर्ता का आरोप है कि प्रतिबंधों के बावजूद कई स्टेशनों के गेट बंद रखे गए। शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद भी स्टेशन बंद रखना आदेश का उल्लंघन है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मेट्रो स्टेशनों को बंद रखकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की गई। हालाँकि, ये आरोप याचिकाकर्ता की ओर से लगाए गए हैं। याचिका पर अदालत की आगे की कार्रवाई और इस मामले में उसका रुख अहम होगा। इस पूरे मामले में सुरक्षा व्यवस्था और आम लोगों की आवाजाही के बीच संतुलन का सवाल उठ है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में साफ कहा था कि सुरक्षा के उपाय ऐसे होने चाहिए, जिनसे आम यात्रियों को बेवजह परेशानी न हो।

दीपके ने कहा- पीएम मोदी ने मान ली हार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले राष्ट्रीय राजधानी में तनाव का माहौल है। दिल्ली पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करते हुए बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने से पहले ही 1,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। अभिजीत दीपके ने खुद एक्स पर ट्वीट कर बताया था कि वह सुबह 9:30 बजे दिल्ली पहुंचने वाले हैं। उनके इस ट्वीट के बाद दिल्ली में सुरक्षा और भी कड़ी कर दी गई थी। दीपके ने दिल्ली में भारी सुरक्षा तैनाती और हिरासत में लिए गए लोगों की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा, 'मोदी ने हार मान ली।' उनके इस बयान से स्थिति और भी गरमा गई है। दिल्ली में जंतर-मंतर के आसपास के इलाकों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू कर दी गई है, जिसका उद्देश्य किसी भी तरह के बड़े जमावड़े को रोकना है। पुलिस के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि काँकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई की गई है। शुक्रवार देर रात और शनिवार सुबह से ही दिल्ली के कई जिलों, सीमावर्ती इलाकों और प्रमुख परिवहन केंद्रों के पास से लोगों को हिरासत में लिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि साउथ-ईस्ट दिल्ली के शाहीन बाग और जामिया नगर के आसपास प्रदर्शन करने वालों की पहचान करने के बाद 250 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। यह संख्या दिल्ली के अन्य हिस्सों से की गई गिरफ्तारियों के अतिरिक्त है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने और जंतर-मंतर तक पहुंचने से रोकने के लिए व्यापक बैरिकेडिंग और बल तैनात किया है। मेट्रो स्टेशनों पर भी अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है और कुछ मार्गों पर सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम किसी भी अग्रिम घटना को रोकने और शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक है। हालाँकि, हिरासत में लिए गए लोगों के समर्थक इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन बता रहे हैं। दिल्ली में आज का दिन राजनीतिक सरगमियों और सुरक्षा चुनौतियों से भरा रहने वाला है, क्योंकि प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच सीधा टकराव देखने को मिल सकता है।

आली धाम में चढ़ा रिकॉर्ड चढ़ावा, 19 लाख से ज़्यादा के नोट मिले

चित्तौड़गढ़(ए)। जिले के कपासन उपखंड स्थित मेवाड़ के सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री शनिमहाराज

पर मंदिर के दानपात्रों को खोलने की वर्षों पुरानी परंपरा है। शनिवार को भगवान श्री शनिदेव महाराज की

पदाधिकारियों की उपस्थिति में शुरू की गई। बीती रात तक नोटों की गिनती का काम पूरा कर लिया गया, जिसमें



यह रिकॉर्ड राशि प्राप्त हुई। इसके बाद अब सिक्कों की छंटनी और गिनती की प्रक्रिया शुरू की गई है। गिनती की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है। चित्तौड़गढ़ और मेवाड़ क्षेत्र में श्री शनिमहाराज आली धाम की अपार धार्मिक मान्यता है। हर महीने आने वाली अमावस्या पर यहां देश और प्रदेश के विभिन्न कोनों से हजारों-

लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शनिदेव के दर्शन करने और तेल चढ़ाने पहुंचते हैं। भक्तों में मान्यता है कि यहां तेल अर्पण करने और पूजा-अर्चना करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसी अपार आस्था के चलते हर महीने भंडारे में लाखों रुपये की भेंट राशि और तेल समर्पित किया जाता है।

विशेष विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और मंत्रोच्चार के बाद मुख्य समिति की मौजूदगी में भंडारों को खोला गया। इस दौरान मुख्य मंदिर परिसर, नवग्रह मंदिर और तेल कुंड के पास स्थित दानपात्रों से श्रद्धालुओं द्वारा समर्पित की गई भेंट राशि निकाली गई। दानपात्रों से निकाली गई राशि की गिनती कड़ी सुरक्षा और मंदिर

केदारनाथ पैदल मार्ग अवरुद्ध: चौरबासा में भूस्खलन से रास्ता बंद

देहरादून(ए)। उत्तराखंड के चारधाम यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव केदारनाथ धाम जाने वाला पैदल मार्ग शनिवार सुबह चौरबासा के पास भूस्खलन और भारी बोल्टर आने के कारण अवरुद्ध हो गया है। इस घटना के बाद, प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गौरीकुंड में ही हजारों श्रद्धालुओं को रोक दिया है। मार्ग खोलने के लिए लोक निर्माण विभाग की टीम तुरंत हस्तगत में आ गई है

प्रतिवादन बल की रेस्क्यू टीम भी तैनात है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। जिला आपदा

उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, यही वजह है कि रास्ता पूरी तरह सुचारु होने तक किसी को भी आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरीकुंड में रोके गए श्रद्धालुओं के लिए ठहरने और आवश्यक सुविधाओं का प्रबंधन किया जा रहा है। प्रशासन यात्रियों से धैर्य बनाए रखने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील कर रहा है। रजवार ने यह भी बताया कि यात्रा मार्ग पर स्थापित आपदा कंट्रोल रूम से लगातार स्थिति पर नजर रखा जा रही है और



प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्हें शनिवार सुबह 7:22 बजे गौरीकुंड सेक्टर अधिकारी से चौरबासा में मार्ग अवरुद्ध होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों को तत्काल सूचित किया गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए गए।

मौसम विभाग के पूर्वानुमानों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश के बाद भूस्खलन की घटनाएं आम हैं, ऐसे में सभी यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले मार्ग की स्थिति की जानकारी लेने का आग्रह किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा या जोखिम से बचा जा सके।

महालय पर पूर्वजों को जल अर्पित कर धार्मिक परंपराओं के मुताबिक श्रद्धालुओं ने किया तर्पण

हावड़ा,(ए)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में महालय के मौके पर शनिवार सुबह गंगा घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। बंगाल में महालय को पितृपक्ष के समापन और देवपक्ष की शुरुआत से जोड़कर देखा जाता है। इस दिन लोग अपने दिवंगत पूर्वजों को याद करते हैं, उनके लिए तर्पण करते हैं और उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हैं। हावड़ा के शिवपुर गंगा घाट, रामकृष्णपुर गंगा घाट, तेलकल घाट, नामक गोला घाट, बांधाघाट और बेल्गुड समेत कई घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। कई लोग पहले गंगा में स्नान करने पहुंचे। इसके बाद उन्होंने अपने पूर्वजों को जल अर्पित



किया और धार्मिक परंपराओं के मुताबिक तर्पण किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तर्पण का मतलब सिर्फ एक धार्मिक रस्म निभाना नहीं है। इसके जरिए लोग अपने उन परिजनों को याद करते हैं, जो अब उनके बीच नहीं हैं। परिवार की पुरानी यादें, पूर्वजों के प्रति सम्मान और उनकी शांति की

कामना-इन सबके बीच यह परंपरा निभाई जाती है। हर किसी की अपनी प्रार्थना थी, लेकिन भाव एक ही था-पितरों को श्रद्धांजलि देना। महालय का नाम आते ही बंगाल में दुर्गापूजा की याद आने लगती है, यहां यह दिन सिर्फ कैलेंडर की एक धार्मिक तारीख नहीं, बल्कि त्योहार के मौसम की शुरुआत का संकेत भी है। दुर्गापूजा बंगाल के सबसे बड़े सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों में से एक है। पंडालों की तैयारी, मूर्तियों को अंतिम रूप देने का काम और पूजा की योजनाओं के बीच महालय लोगों के उत्साह को और बढ़ा देता है। बेल्गुड मठ रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का प्रमुख केंद्र है।